

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार

स्रोत: द हिंदू

भारतीय सनिमा में प्रतष्ठिति **राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों (National Film Awards)** में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठति एक समतिकी सफ़िरशियों के अनुसार महत्त्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। श्रेणियों को तरकसंगत बनाने और नकद पुरस्कारों को बढ़ाने के उद्देश्य से कथि गए ये परविरतन, पारंपरिक नामकरण तथा वर्ग-वभिद से हटकर हैं। नए नाम पुरस्कार मानदंडों के बारे में अधिकि वर्णनात्मक हैं।

■ पुरस्कारों का नामकरण:

- 'किसी नरिदेशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फ़िल्म के लथि इंदरि गांधी पुरस्कार' का नाम अब 'नरिदेशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फ़िल्म' है।
- 'राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म के लथि नरगसि दत्त पुरस्कार' का नाम बदलकर 'राष्ट्रीय, सामाजकि और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म' कर दथि गया है।

■ मौद्रकि पुरस्कार:

- **दादा साहब फ़ालके पुरस्कार** की पुरस्कार राशा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए कर दी गई है।
- **स्वर्ण कमल (गोल्डन लोटस) पुरस्कार** वजित्ताओं को अब सभी श्रेणियों में 3 लाख रुपए और **रजत कमल (सलिवर लोटस)** वजित्ताओं को 2 लाख रुपए मल्लिगे।
 - **स्वर्ण कमल** इन श्रेणियों में दथि जाता है: सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म, पहली फ़िल्म, संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली फ़िल्म, नरिदेशन और बच्चों की फ़िल्म।
 - रजत कमल राष्ट्रीय, सामाजकि और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म, सभी अभनिय श्रेणियों, सर्वश्रेष्ठ पटकथा, संगीत तथा ऐसी अन्य श्रेणियों के वजित्ताओं को दथि जाता है।

■ वर्ग संशोधन:

- 'सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म' और 'सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफ़ेक्ट' के पुरस्कारों को "सर्वश्रेष्ठ **AVGC फ़िल्म**" नामक एक नई श्रेणी में जोड़ दथि गया है।
- 'सर्वश्रेष्ठ ऑडियोग्राफी' अब 'सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन' है, पुरस्कार राशा बिढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दी गई है।

■ जूरी वविक की नरितरता:

- फ़ीचर और गैर-फ़ीचर फ़िल्म श्रेणियों में वशिष उल्लेख जूरी के वविक पर नरिभर है।
- वशिष जूरी पुरस्कार बंद कर दथि गया और उसके स्थान पर वविकाधीन वशिष उल्लेख दथि गए।

और पढ़ें: [दादा साहब फ़ालके पुरस्कार](#)